प्लेटफॉर्म ऑफ प्लेटफॉर्म्स (पीओपी)

हाल ही में केंद्रीय कृषि और किसान कल्याण मंत्री ने कर्नाटक के बंगलूरू में राज्य कृषि और बागवानी मंत्रियों के सम्मेलन की तर्ज पर राष्ट्रीय कृषि बाज़ार (e-NAM) के तहत प्लेटफॉर्म ऑफ प्लेटफॉर्म्स (PoP) लॉन्च किया। ।

- कर्नाटक के बंगलूरू में राज्यों के कृषि और बागवानी मंत्रियों के सम्मेलन के अवसर पर केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री ने राष्ट्रीय कृषि बाज़ार (e-NAM) के तहत **प्लेटफॉर्म ऑफ प्लेटफॉर्म्स (पीओपी)** का शुभारंभ किया।

प्लेटफॉर्म ऑफ प्लेटफॉर्म्स (POP):

- **परिचय:**
    - ई-नाम "प्लेटफॉर्म ऑफ प्लेटफॉर्म्स" के रूप में सेवा प्रदाताओं के मंच का एकीकरण करता है, जिसमें शामिल हैं:
        - समग्र सेवा प्रदाता (सेवा प्रदाता जो कृषि उपज के व्यापार के लिये समग्र सेवाएँ प्रदान करते हैं, जिसमें गुणवत्ता परख, व्यापार, भुगतान प्रणाली और लॉजिस्टिक्स से संबंधित सेवाएँ शामिल हैं)।
        - लॉजिस्टिक्स सेवा प्रदाता, गुणवत्ता परख सेवा प्रदाता, सफाई, ग्रेडिंग, छंटाई और पैकेजिंग सेवा प्रदाता, भंडारण सुविधा सेवा प्रदाता, कृषि आदान सेवा प्रदाता, प्रौद्योगिकी सक्षम वित्त व बीमा सेवा प्रदाता।
        - सूचना प्रसार पोर्टल (सलाहकार सेवाएँ, फसल अनुमान, मौसम अद्यतन, किसानों के क्षमता निर्माण आदि), अन्य प्लेटफार्म (ई-कॉमर्स, अंतर्राष्ट्रीय कृषि-व्यापार प्लेटफॉर्म, वस्तु विनिमय, निजी बाज़ार प्लेटफॉर्म) आदि।

पीओपी के लाभ:

- **डिजिटल लाभ:**
    - इससे कई बाज़ारों, खरीदारों, सेवा प्रदाताओं तक किसानों की डिजिटल रूप से पहुँच बढ़ेगी और मूल्य खोज तंत्र, गुणवत्ता के अनुरूप मूल्य प्राप्ति में सुधार के उद्देश्य से व्यापार लेन-देन में पारदर्शिता आएगी।
    - पीओपी से डिजिटल पारिस्थितिकी तंत्र तैयार होगा, जिससे कृषि मूल्य शृंखला के विभिन्न खंडों में अलग-अलग प्लेटफार्मों की विशेषज्ञता का लाभ मिलेगा।
- **कार्य संचालन में आसानी:**
    - पीओपी पर विभिन्न मूल्य शृंखला सेवाओं जैसे: व्यापार, परख, भंडारण, फिनटेक, बाज़ार की जानकारी, परिवहन आदि की सुविधा देने वाले विभिन्न प्लेटफॉर्मों के 41 सेवा प्रदाताओं को शामिल किया गया है।
        - यह किसानों, FPOs, व्यापारियों और अन्य हितधारकों को सिंगल विंडो के माध्यम से कृषि मूल्य शृंखला में विभिन्न प्रकार की वस्तुओं और सेवाओं तक पहुँचने में सक्षम बनाता है,जिससे हितधारकों को अधिक विकल्प उपलब्ध होंगे।
    - इससे किसानों को **अन्य राज्यों में भी उपज बेचने की सुविधा प्राप्त** होगी।
    - विभिन्न सेवा प्रदाताओं को शामिल करने से न केवल **e-NAM प्लेटफॉर्म पर उपज के मूल्य में वृद्धि होती है, बल्कि प्लेटफॉर्म के उपयोगकर्त्ताओं** को विभिन्न सेवा प्रदाताओं से सेवाओं का लाभ उठाने का विकल्प भी प्राप्त होता है।
    - इसके अलावा एक **अच्छी गुणवत्ता वाली सामग्री/सेवा प्रदाता का चयन** करने की प्रक्रिया में यह हितधारकों के समय और श्रम की बचत करता है।

e-NAM पोर्टल:

- **राष्ट्रीय कृषि बाज़ार (eNAM)** एक अखिल भारतीय इलेक्ट्रॉनिक व्यापार पोर्टल है जो कृषि उपज के लिये एकीकृत राष्ट्रीय बाज़ार बनाने के लिये मौजूदा APMC मंडियों को एकीकृत करता है।
- **लघु किसान कृषि व्यवसाय संघ (SFAC)** भारत सरकार के कृषि और किसान कल्याण मंत्रालय के तत्त्वावधान में eNAM को लागू करने वाली प्रमुख एजेंसी है।
    - **उद्देश्य:**
        - **एकीकृत बाज़ारों में प्रक्रियाओं को सुव्यवस्थित** करके खरीदारों और विक्रेताओं के बीच सूचना अंतराल को दूर करके वास्तविक मांग एवं आपूर्ति के आधार पर अल्प समय में बेहतर मूल्य की प्राप्ति को बढ़ावा देकर कृषि विपणन में एकरूपता को बढ़ावा

देना।

- **मिशन:**
  - कृषि जिंसों में अखिल भारतीय व्यापार की सुविधा के लिये एक सामान्य ऑनलाइन बाज़ार प्लेटफॉर्म के माध्यम से **देश भर में स्थित APMC का एकीकरण,** समय पर ऑनलाइन भुगतान के साथ-साथ उपज की गुणवत्ता के आधार पर पारदर्शी नीलामी प्रक्रिया द्वारा बेहतर मूल्य प्रदान करना।

कृषि हेतु अन्य पहल:

- एग्रीस्टैक
- डिजिटल कृषि मिशन
- एकीकृत किसान सेवा मंच (UFSP)
- कृषि में राष्ट्रीय ई-गवर्नेंस योजना (NeGP-A)
- कृषि मशीनीकरण पर उप-मिशन (SMAM)
- किसान सुविधा एप
- मृदा स्वास्थ्य कार्ड (SHC) पोर्टल

यूपीएससी सिविल सेवा परीक्षा विगत वर्षों के प्रश्न (पीवाईक्यू):

प्रश्न: 'राष्ट्रीय कृषि बाज़ार' योजना को लागू करने के क्या लाभ हैं? (2017)

1. यह कृषि वस्तुओं के लिये एक अखिल भारतीय इलेक्ट्रॉनिक ट्रेडिंग पोर्टल है।
2. यह किसानों को उनकी उपज की गुणवत्ता के अनुरूप कीमतों के साथ राष्ट्रव्यापी बाज़ार तक पहुँच प्रदान करती है।

नीचे दिये गए कूट का प्रयोग कर सही उत्तर चुनिये:

(a) केवल 1
(b) केवल 2
(c) 1 और 2 दोनों
(d) न तो 1 और न ही 2

उत्तर: (c)

व्याख्या:

- राष्ट्रीय कृषि बाज़ार (NAM) एक अखिल भारतीय इलेक्ट्रॉनिक ट्रेडिंग पोर्टल है जो कृषि वस्तुओं के लिये एकीकृत राष्ट्रीय बाज़ार बनाने हेतु मौजूदा कृषि उत्पाद विपणन समिति (APMC) मंडियों को जोड़ता है। **अत: कथन 1 सही है।**
- NAM पोर्टल APMC से संबंधित सभी सूचनाओं और सेवाओं के लिये सिंगल विंडो सेवा प्रदान करता है। इसमें कमोडिटी की आवक और कीमतें, ट्रेड ऑफर खरीदना और बेचना, ट्रेड ऑफर का जवाब देने का प्रावधान आदि सेवाएँ शामिल हैं।
- कृषि विपणन राज्यों द्वारा उनके कृषि-विपणन नियमों के अनुसार प्रशासित किया जाता है, जिसके तहत राज्य को कई बाज़ार क्षेत्रों में विभाजित किया जाता है, जिनमें से प्रत्येक को एक अलग APMC द्वारा प्रशासित किया जाता है जो अपना स्वयं का विपणन विनियमन (शुल्क सहित) लागू करता है।
- राज्य के भीतर भी बाज़ारों का यह विखंडन कृषि वस्तुओं के एक बाज़ार क्षेत्र से दूसरे बाज़ार में मुक्त प्रवाह में बाधा डालता है और कृषि उत्पादों की कई हैंडलिंग एवं मंडी शुल्क के कई स्तरों से किसानों को लाभ के बिना उपभोक्ताओं के लिये कीमतों में वृद्धि होती है।
- NAM राज्य और राष्ट्रीय दोनों स्तरों पर ऑनलाइन ट्रेडिंग प्लेटफॉर्म के माध्यम से एक एकीकृत बाज़ार का निर्माण कर इन चुनौतियों का समाधान करता है और एकीकृत बाज़ारों में प्रक्रियाओं को सुव्यवस्थित करके एकरूपता को बढ़ावा देता है। खरीदारों तथा विक्रेताओं के बीच सूचना विषमता को दूर करता है, साथ ही वास्तविक मांग और आपूर्ति के आधार पर वास्तविक समय मूल्य की खोज, नीलामी प्रक्रिया में पारदर्शिता, किसान के लिये उसकी उपज की गुणवत्ता एवं ऑनलाइन भुगतान और उपभोक्ता को उचित कीमतों पर बेहतर गुणवत्ता वाले उत्पादों की उपलब्धता के अनुरूप कीमतों के साथ एक राष्ट्रव्यापी बाज़ार तक पहुँच को बढ़ावा देता है। **अत: कथन 2 सही है।**

अतः विकल्प (C) सही है।

स्रोत: पी.आई.बी.

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/platform-of-platforms